स्वयं को परिवर्तन करने की तीन विधियां...

कौन मुझे कह रहा है... ये मुझे रिअलाइज़ हो...

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

मुरली में बाबा स्वभाव, संस्कार का परिवर्तन के बारे में कितना कहता, समझाता है। ये बाबा हमारे में देखना चाहता है और वो भी धीरे-धीरे नहीं, अब तक तो हम धीरे-धीरे परिवर्तन करते रहे। लेकिन अब बाबा देखना चाहता है कि जितना तीव्र गति से समय परिवर्तन हो रहा है उतना ही तीव्र गति से हमें भी अपने आपको परिवर्तन करना होगा। तभी समय के साथ-साथ हम उस सम्पूर्णता तक पहुंच सकेंगे और उसके लिये बाबा ने तीन प्रकार के भाग्य हमें दिये हैं, वो सहायक हैं परिवर्तन करने के लिए। बाबा की पालना, शिक्षक के रूप में पढ़ाई और सत्गुरू के रूप में वरदान। बाबा भी चाहता है कि मेरा हर बच्चा समय से पहले तैयार हो जाये। तो कैसे करेंगे?

उसकी कुछ विधियां हमारे मन में जो आयी हैं- तो सबसे पहली बात कि परिवर्तन करने के लिए डीप रिअलाइज़ेशन की आवश्यकता है। हमारे अंदर अब कौन-सी कमज़ोरियां हैं? उसका डीप रिअलाइज़ेशन करना बहुत ज़रूरी है। कमज़ोरी है तभी तो यहाँ हैं, नहीं तो सम्पूर्ण होकर के चले गये होते। इसलिए कोई ये नहीं कह सकता कि मेरे में तो कोई कमज़ोरी नहीं है। अब दूसरा कोई हमें प्वाइंट आउट करता है कि आप में ये कमज़ोरी है तो हम उसको छिपाने की कोशिश करते, नहीं-नहीं कोई बात नहीं है ये ऐसा हो गया ना, इसलिए ऐसा हुआ। हम बहाना दे देंगे, लेकिन अंदर हर व्यक्ति जानता है कि मेरी ये कमज़ोरी है तो जानना काफी नहीं, मानना काफी नहीं लेकिन एक डीप रिअलाइज़ेशन करना। उसके बाद सोचो कि उस कमी के कारण क्या नुकसान हो रहा है। हर पहलू में चाहे सम्बंध-सम्पर्क हो, चाहे अपना पुरूषार्थ हो। हर बात में क्या नुकसान हो रहा है? इसका रिअलाइज़ेशन। उसके बाद बाबा की मुरलियों में हमें कौन-सी युक्तियाँ मिली हुई हैं। उसको चिंतन करते हुए बाहर निकालना। प्रतिदिन की मुरली में कोई-न-कोई बात ऐसी ज़रूर आती है जो स्वभाव-संस्कार को परिवर्तन करने की एक युक्ति बाबा ने ज़रूर बताई हुई होती है और उसके बाद अब हम बाबा की मुरली की प्वाइंट को कैसे अप्लाई करें, वो तरीका सोचो। मेरे पुरूषार्थ में कैसे उसको अप्लाई करूँ ताकि ये कमज़ोरी सदा के लिए समाप्त हो जाये।

जब उसका प्रैक्टिकल एप्लीकेशन होगा तब आप देखेंगे कि विजयी बनना आपके लिए सहज है, लेकिन जो पुरूषार्थ करेगा वो ही विजयी बनेगा ना! बाकी तो ऐसा नहीं जो पुरूषार्थ नहीं करेगा वो भी विजयी बन जायेगा। वो तो नहीं बन सकेगा। तो इसलिए पहला-पहला ये रिअलाइज़ेशन करना बहुत ज़रूरी है।

आपका इनरकॉन्शियसनेस जो है, आपको जवाब दे देगा। कहते हैं ना, इनरकॉन्शियस, जो इनरवॉइस है वो कभी आपको गलत नहीं कहेगा। तो इसलिए ये सवाल अपने आप से करते रहो कि अगर बाबा साकार में होते और बाबा के सामने ये बात आती तो बाबा कौन-सी श्रीमत यूज़ करके इसको ऑवर कम कर लेते, उसको क्रॉस कर लेते, विजयी हो जाते।

दूसरी बात कि फिर अगर समझ में न आये कि कैसे अप्लाई करना है, तो फिर ये सोचो कि अगर आज ब्रह्मा बाबा होते तो बाबा क्या करते? बाबा सैम्पल हमारे सामने बहुत सुंदर है और इसलिए अपने जीवन की भेंट बाबा के जीवन से करते हैं। ऐसी परिस्थिति बाबा के सामने आती थी तो बाबा कैसे उसको सुलझाते थे? तो आपका इनर कॉन्शियसनेस(आंतरिक चेतना) जो है, आपको जवाब दे देगा। कहते हैं ना, इनर कॉन्शियस, जो इनरवॉइस है वो कभी आपको गलत नहीं कहेगा। तो इसलिए ये सवाल अपने आप से करते रहो कि अगर बाबा साकार में होते और बाबा के सामने ये बात आती तो बाबा कौन-सी श्रीमत यूज़ करके इसको ऑवर कम कर लेते, उसको क्रॉस कर लेते, विजयी हो जाते। बाबा एक मीटर है हमारे लिये। जिसके साथ मैं अपने आपको कम्पेअर करती जाऊँ। उसके साथ धीरे-धीरे, एक-एक बात, कैसे अप्लाई होती जायेगी और हम विजयी रत्न बन जायेंगे ये आप प्रैक्टिकल अनुभव करेंगे।

तीसरी बात ये सोचो कि कौन मुझे कह रहा है? कोई इंसान नहीं कह रहा है। देखो, महाभारत में एक बहुत अच्छी बात बताई कि भगवान अर्जुन को बार-बार गाइडेंस दे रहे थे लेकिन वो समझ ही नहीं पा रहा था। वो अपना तर्क रख रहा था कि इतने लोग मर जायेंगे फिर क्या होगा, फिर इस दुनिया का क्या होगा? अनेक प्रकार के क्वेश्चन करता रहा लेकिन जब उसको विश्व रूप का दर्शन हुआ, जब निराकार हज़ारों सूर्य से तेजोमय का दर्शन हुआ उसके बाद उसको महसूस हुआ कि अरे! ये कौन मुझे कह रहा है? साक्षात् परमात्मा मुझे कह रहा है और एकदम चेंज आ गया, लड़ने को तैयार हो गया। नष्टोमोहा बन गया सहजता से, रिअलाइज़ेशन हुआ कि जिसको मैं अपना मित्र मान रहा था वो नहीं कह रहा है, लेकिन साक्षात् भगवान मुझे कह रहे हैं। इसी तरह ब्रह्मा बाबा को जब विनाश का साक्षात्कार हुआ तो फिर वैराग्य आया। नई दुनिया का साक्षात्कार कराया तो बाबा ने कहा कि मैं कैसे बना सकता हूँ! मैं एक व्यक्ति सारी दुनिया को कैसे बदलूँगा? ये बाबा के अंदर सवाल उठने लगे लेकिन जिस समय परमात्मा का साक्षात्कार हुआ, परमात्मा का अवतरण हुआ "निजानन्द स्वरूपम् शिवोहम् शिवोहम्" कि कराने वाला मैं हूँ। तुम निमित्त हो। तब ब्रह्मा बाबा ने अपने आप सहित सब कुछ सरेंडर कर दिया। सम्पूर्ण परिवर्तन, सम्पूर्ण मरजीवा। एकदम नया जन्म हो गया ब्रह्मा बाबा का और तैयार हो गये करने को। इस तरह हमें भी ये महसूस होना चाहिए कि कौन मुझे कहा रहा है!

हाजीपुर-राजपूत कॉलोनी(बिहार)। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव ध्वजारोहण करते हुए भाजपा विधायक अवधेश सिंह, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अंजली बहन तथा अन्य।

फर्रुखाबाद-बीबीगंज(उ.प्र.)। त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं बायें से ब्र.कु. मंजू बहन, श्रीमति अनीता द्विवेदी,सदर विधायक की धर्मपत्नी, डॉ. शिवओम अम्बर,अंतर्राष्ट्रीय कवि, रुपेश गुप्ता,जिलाध्यक्ष भाजपा, अनिल त्रिपाठी,पूर्व सहायक सम्भागीय अधिकारी उ.प्र. तथा श्री रामपाल जी महाराज,महंत,श्री ठाकुरद्वारा मंदिर।

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510

सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये

Website: www.omshantimedia.org

For Online Transfer

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA(SBI)
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
ACCOUNT NO: - 30826907041,IFSC - CODE - SBIN0010638
BRANCH- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya Vishwa Vidhyalya,Shantivan

Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
OR
Whatsapp, Telegram No.:- 9414172087

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
BHIM Baroda Pay
SCAN TO PAY
WITH ANY BHIM UPI APP
UPI
paytm

दिल्ली-चांदनी चौक। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के पावन पर्व पर ध्वजारोहण करने के पश्चात् उपस्थित हैं पूर्व नगर निगम पार्षद एवं समाज सेवक मनोज जैन, ब्र.कु. बिमला दीदी, ब्र.कु. संगीता बहन तथा अन्य।

दिल्ली-दिलशाद कॉलोनी। त्रिमूर्ति शिव जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शिव ध्वजारोहण करने के पश्चात् उपस्थित हैं प्रीति जी,निगम पार्षद,दिलशाद कॉलोनी निर्वाचन क्षेत्र, बीना जी,निगम पार्षद,मयूर निर्वाचन क्षेत्र, ब्र.कु. इंद्रा दीदी, ब्र.कु. तनुजा बहन तथा अन्य।

निंबाहेड़ा-चितौड़गढ़(राज.)। शिव जयंती महोत्सव में शिव ध्वजारोहण के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शिवली बहन, चितौड़गढ़ सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.आशा बहन, पूर्व प्रधानाचार्य कमल नाहर, पार्षद ओम बाहेती, समाजसेवी बंसी लाल रायवाल, नारी सेवा संस्थान की सिम्मी खान, सुरभि क्लब की अध्यक्षा सुशीला त्रिपाठी, मानव अधिकार सुरक्षा संगठन की अध्यक्षा शिल्पा जी, आचार्य तुलसी ब्लड फाउंडेशन की अध्यक्षा ज्योत्सना जी, लायनेस क्लब की अध्यक्षा आशु जी, हिंदू जागरण मंच से बाबूलाल जी, गर्ल्स स्कूल की प्रधानाचार्या सरला जी तथा अन्य।